आनंदालय

सामयिक परीक्षा - 2

कक्षा : दसवीं

विद्या सवार्थ साधिका

विषय : हिंदी 'ब' (085) | अधिकतम अंक : 80

दिनांक: 27-09-2024 | निर्धारित समय : 3 घंटे

सामान्य निर्देश :-

1. यह प्रश्न पत्र चार खण्डों में विभाजित है - 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'
2. प्रश्न पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं।
3. प्रश्नोत्तर क्रमशः लिखे जाने चाहिए।
4. बहुविकल्पीय प्रश्नों की क्रम संख्या व चयनित उत्तर पूर्ण व स्पष्ट रूप से लिखना आवश्यक है।
5. लिखावट सुंदर और स्पष्ट होनी चाहिए।

**खंड - 'क'**

1. नीचे दिए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए।

नि:संदेह सहजता से हर एक दिन भिन्न-भिन्न भूमिकाएँ जीते हुए, महिलाएँ किसी भी समाज का स्तंभ हैं। लेकिन आज भी दुनिया के कई हिस्सों में समाज उनकी भूमिका को नज़रअंदाज़ करता है। इसके चलते महिलाओं को बड़े पैमाने पर असमानता, उत्पीड़न, वित्तीय निर्भरता और अन्य सामाजिक बुराइयों का खामियाजा सहन करना पड़ता है। भारत में महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता के बहुत से कारण सामने आते हैं। जितना सम्मान उन्हें प्राचीन काल में दिया जाता था, मध्य काल में वह सम्मान घटने लगा था।

आधुनिक युग में कई भारतीय महिलाएँ कई सारे महत्वपूर्ण राजनैतिक तथा प्रशासनिक पदों पर पदस्थ हैं, फिर भी सामान्य ग्रामीण महिलाएँ आज भी अपने घरों में रहने के लिए बाध्य हैं और उन्हें सामान्य स्वास्थ्य सुविधा और शिक्षा जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध नहीं है। ग्रामीण महिलाएँ सदियों से घर तथा खेतों में पुरुषों के बराबर ही काम करती आई हैं, लेकिन वहाँ उन्हें सामंती सोच के कारण दूसरे दर्जे का नागरिक ही माना जाता रहा है। अब ग्रामीण समाज की सोच बदलने का वक्त आ गया है। सामाजिक असमानता, पारिवारिक हिंसा, अत्याचार और आर्थिक निर्भरता इन सभी से महिलाओं को छुटकारा पाना है तो जरुरत है महिला सशक्तिकरण की।

महिला सशक्तिकरण से महिलाएँ आत्मनिर्भर और शक्तिशाली बनती हैं। जिससे वे अपने जीवन से जुड़े फैसले स्वयं ले सकती हैं और परिवार और समाज में अपना स्थान बनाती हैं। समाज में उनके वास्तविक अधिकार को प्राप्त करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना महिला सशक्तिकरण है। महिला सशक्तिकरण का अर्थ है महिलाओं को राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक क्षेत्रों में बराबर का भागीदार बनाया जाए ।

महिला सशक्तिकरण से महिलाएँ केवल आर्थिक रूप से सुदृढ ही नहीं हुई हैं, अपितु परिवार और समाज की सोच में भी सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देने लगे हैं। वर्तमान समय में लोग बेटियों को बोझ समझकर दुनिया में आने से पहले ही मारें नहीं, इसलिए विकास की मुख्यधारा में महिलाओं को लाने के लिये भारत सरकार के द्वारा कई योजनाएँ चलाई गई हैं।

(i) गद्यांश के आधार पर बताइए कि महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता क्यों महसूस की गई ? (1)

(क) समाज में महिलाओं की स्थिति निर्बल थी । (ख) वे आत्मनिर्भर थीं।
(ग) वे अपने निर्णय लेने में सक्षम थीं । (घ) वे शिक्षित थीं।

(ii) अब लोग बेटियों को बोझ नहीं समझते, यह समाज की किस सोच का परिणाम है ? (1)

(क) पुरातन (ख) सकारात्मक (ग) नकारात्मक (घ) संकीर्ण

(iii) ग्रामीण सोच में परिवर्तन लाने के लिए क्या किया जा सकता है ? (1)

(क) गाँवों में सुविधाएँ उपलब्ध कराना । (ख) सड़कें बनवाना ।

(ग) अंधविश्वास और रूढ़ियों का विरोध । (घ) शिक्षा का प्रचार-प्रसार ।

(iv) ग्रामीण महिलाओं की स्थिति का उल्लेख कीजिए । (2)

(v) महिलाओं का सशक्त होना क्यों आवश्यक है ? अपनी जानकारी की किन्हीं दो सशक्त महिलाओं का संक्षिप्त वर्णन करें। (2)

2 नीचे दिए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए ।

चाणक्य के अनुसार, हमें इन तीनों उपक्रमों में कभी संतोष नहीं करना चाहिए - 'त्रिषु नैव कर्तव्यः विद्यायां जप दानयोः ।' अर्थात् विद्या अर्जन में कभी संतोष नहीं करना चाहिए कि बस, बहुत ज्ञान अर्जित कर लिया । इसी तरह जप और दान करने में भी संतोष नहीं करना चाहिए । संतोष को महत्व देते हुए कहा गया है कि 'जब आवे संतोष धन, सब धन धूरि समान ।' हमें जो प्राप्त हो उसमें ही संतोष करना चाहिए ।

'साई इतना दीजिए जा में कुटुंब समाय । मैं भी भूखा न रहूँ, साधू न भूखा जाए' अर्थात् संतोष सबसे बड़ा धन हैं। जीवने में संतोष रहा, शुद्ध-सात्विक आचरण और शुचिता का भाव रहा तो हमारे मन के सभी विकार दूर हो जाएँगे और हमारे अंदर सत्य, निष्ठा, प्रेम, उदारता, दया और आत्मीयता की गंगा बहने लगेगी। आज के मनुष्य की सांसारिकता में बढती लिप्तता, वैश्विक बाज़ारवाद और भौतिकता की चकाचौंध के कारण संत्रास, कुंठा और असंतोष दिन-प्रतिदिन बढता ही जा रहा है। इसी असंतोष को दूर करने के लिए संतोषी बनना आवश्यक हो गया है। सुखी और शांतिपूर्ण जीवन के लिए संतोष सफल औषधि है ।

(i) मनुष्य को किसके प्रति संतोष नहीं करना चाहिए- (1)

(क) दान (ख) धन (ग) मान (घ) अस्त्र-शस्त्र

(ii) मनुष्य को किसमें संतोष रखना चाहिए ? (1)

(क) जो हमसे लिया गया हो । (ख) जो हमें प्राप्त हो ।

(ग) जो हमें किसी को देना हो । (घ) किसी जरूरतमंद व्यक्ति से लेना हो ।

(iii) हमारे अंदर कब दया, उदारता और आत्मीयता की गंगा बहने लगेगी? (1)

(क) जब हमारे मन में मैल आ जाए । (ख) जब दूसरों के प्रति ईर्ष्या आ जाए ।

(ग) हमारे मन में जब संतोष आ जाए । (घ) हमारे मन में जब भेदभाव की भावना हो ।

(iv) 'साईं इतना दीजिए जा में कुटुंब समाय । मैं भी भूखा न रहूँ, साधू न भूखा जाए' पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए। (2)

(v) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक बताते हुए उससे प्राप्त सीख का वर्णन कीजिए । (2)

## खंड - 'ख'

3. निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (4X1=4)

(i) 'दिवाकर साहब <u>सप्ताह के अंत तक</u> आ जाएँगे।' ( रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए)

(ii) 'झूठ बोलने वाले वे कब तक बचेंगे।' ( पदबंध का भेद बताते हुए कारण भी स्पष्ट कीजिए)

(iii) '<u>सदा प्रसन्न रहने वाली सुधा</u> आज उदास है।' (रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए)

(iv) ' निर्भीक और साहसी व्यक्ति अन्याय नहीं सहते।' (विशेषण पदबंध को रेखांकित कीजिए)

(v) 'बच्चे दादी माँ से कहानी सुनते रहते हैं ।' (क्रिया पदबंध को रेखांकित कीजिए)

4. 'रचना के आधार पर वाक्य भेद ' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (4X1=4)

(i) 'वह रोज़ व्यायाम करती है इसलिए स्वस्थ रहती है।' (सरल वाक्य में रूपांतरित कीजिए)

(ii) 'आज्ञाकारी बच्चे माता-पिता की सेवा करते हैं।' (संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए)

(iii) 'अध्यापक अपने शिष्यों को अच्छा बनाना चाहते हैं।' (मिश्र वाक्य में रूपांतरित कीजिए)

(iv) 'जिस मनुष्य में दया नहीं वह जानवर के समान है।' (रचना की दृष्टि से वाक्य भेद लिखिए)

(v) 'परिश्रमी व्यक्ति कभी खाली नहीं बैठता।' (रचना की दृष्टि से वाक्य भेद लिखिए)

5. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए | (4X1=4)

(i) 'अल्पबुद्धि' (समस्तपद में कौन-सा समास है ?)

(ii) 'घन के सामान श्याम है जो अर्थात कृष्ण (समस्तपद बनाकर समास का भेद लिखिए)

(iii) 'मरण तक' (समस्तपद बनाकर समास का भेद लिखिए)

(iv) 'बाढ़पीड़ित' (समस्तपद में कौन-सा समास है ?)

(v) 'नवरत्न' (समास विग्रह कीजिए)

6. निर्देशानुसार 'मुहावरों ' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए | (4X1=4)

(i) 'निरादर करना' (अर्थ के लिए उचित मुहावरा लिखिए)

(ii) 'तलवार खींचना' (मुहावरे का अर्थ लिखिए)

(iii) वह स्वभाव से इतना उग्र है कि बात-बात पर __ है। (उचित मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)

(iv) 'तीन घंटे की परीक्षा लिखना, ___ जैसा प्रतीत होता है।' (उचित मुहावरे से रिक्त स्थान भरिए)

(v) 'धमाचौकड़ी मचाना' (मुहावरे को वाक्य में इस तरह प्रयोग करें कि अर्थ स्पष्ट हो जाए)

**खंड - 'ग'**

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सर्वाधिक सटीक विकल्प का चयन कीजिए- (5X1=5)

अभिनय के दृष्टिकोण से 'तीसरी कसम' राजकपूर की ज़िंदगी की सबसे हसीन फ़िल्म है। राजकपूर जिन्हें समीक्षक और कला-मर्मज्ञ आँखों से बात करने वाला कलाकार मानते हैं, 'तीसरी कसम' में मासूमियत के चर्मोत्कर्ष को छूते हैं। अभिनेता राजकपूर जितनी ताकत के साथ 'तीसरी कसम' में मौजूद हैं, उतना 'जागते रहो' में भी नहीं। 'जागते रहो' में राजकपूर के अभिनय को बहुत सराहा गया था, लेकिन 'तीसरी कसम' वह फिल्म है जिसमें राजकपूर अभिनय नहीं करता। वह हीरामन के साथ एकाकार हो गया है। खालिस देहाती भुच्च गाड़ीवान जो सिर्फ दिल की जुबान समझता है, दिमाग की नहीं। जिसके लिए मोहब्बत के सिवा किसी दूसरी चीज का कोई अर्थ नहीं। बहुत बड़ी बात यह है कि 'तीसरी कसम' राजकपूर के अभिनय जीवन का वह मुकाम है, जब वह एशिया के सबसे बड़े शोमैन के रूप में स्थापित हो चुके थे। उनका अपना व्यक्तित्व एक किंवदंती बन चुका था। लेकिन 'तीसरी कसम' में वह महिमामय व्यक्तित्व पूरी तरह हीरामन की आत्मा में उतर गया है। वह कहीं हीरामन का अभिनय नहीं करता, अपितु खुद हीरामन में ढल गया है। हीराबाई की फेनू-गिलासी बोली पर रीझता हुआ, उसकी 'मनुआ-नटुआ' जैसी भोली सूरत पर न्योछावर होता हुआ और हीराबाई की तनिक-सी उपेक्षा पर अपने अस्तित्व से जूझता हुआ सच्चा हीरामन बन गया है।

(i) 'तीसरी कसम' फ़िल्म में राजकपूर किस रोल में हैं?

(क) रिक्शा चालक (ख) टैक्सी चालक (ग) ग्रामीण गाड़ीवान (घ) ई-रिक्शा चालक

(ii) 'तीसरी कसम' में राजकपूर का हीरामन का अभिनय नहीं करता | वह हीरामन के साथ एकाकार हो गया है।' - इस पंक्ति का आशय है-

(क) राजकपूर हीरामन का अभिनय नहीं करते।

(ख) राजकपूर हीरामन के चरित्र को समझ नहीं पाते।

(ग) राजकपूर हीरामन के चरित्र में पूरी तरह ढल जाते हैं।

(घ) राजकपूर हीरामन के किरदार को संभाल नहीं पाते।

(iii) फ़िल्म में हीरामन कौन है?

(क) राम कपूर (ख) राजकपूर (ग) शैलेंद्र (घ) जयकिशन

(iv) आँखों से बात करने वाला कलाकर कहा गया है -

(क) हीरामन को (ख) शैलेंद्र को (ग) वहीदा रहमान को (घ) राजकपूर को

(v) कला-मर्मज्ञ का अर्थ है -

(क) कला को मारने वाला (ख) कला की जानकारी

(ग) कला की गहरी समझ रखने वाला (घ) कला का मन

8 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनिए - (5X1=5)

‘मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है,
पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है।
फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं,
परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद हैं।
अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

(i) कवि के अनुसार सबसे बड़ा विवेक है -

(क) परमात्मा सबका पिता है। (ख) संपूर्ण मानव-जाति बंधुत्व की तरह है।
(ग) संपूर्ण मानव-जाति फल की तरह है। (घ) इनमें से कोई नहीं।

(ii) पुराणों के अनुसार प्रमाणित किया गया है कि -

(क) सभी के भीतर एक जैसी आत्मा है (ख) सभी का शरीर हाड़-मांस से बना है
(ग) सभी के अंदर समान भाव हैं (घ) सभी के भीतर आदर का भाव है

(iii) 'स्वयंभू' किसे कहा गया है ?

(क) कवि को (ख) मनुष्य को (ग) भगवान को (घ) पौधों को

(iv) कवि ने अनर्थ की बात क्यों की है ?

(क) क्योंकि बंधु ही बंधु के कष्टों को दूर करता है। (ख) क्योंकि अपनों को कष्ट से दूर नहीं करता है।
(ग) क्योंकि बंधु ही बंधु के कष्टों को दूर नहीं करता है। (घ) क्योंकि दूसरों को कष्ट देता है।

(v) उपर्युक्त काव्यांश से संबंधित कौन-सा कथन असत्य है?

(क) संसार के सभी मनुष्यों को अपना बंधु समझते हैं। (ख) विवेकी मनुष्य सभी को पराया समझते हैं।
(ग) हर मनुष्य को अपने बंधु की व्यथा दूर करनी चाहिए। (घ) कर्मों के फलानुसार सब आपस में भिन्न है।

9 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए - (3x2=6)

(i) ‘इम्तिहान पास कर लेना कोई चीज़ नहीं, असल चीज़ है बुद्धि का विकास’ पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए |

(ii) तताँरा-वमीरो की प्रेमकथा निकोबारियों के घर-घर में क्यों सुनाई जाती है ? स्पष्ट कीजिए |

(iii) तताँरा के स्वभाव और व्यक्तित्व का उल्लेख कीजिए |

(iv) ‘लेखक की डायरी का पन्ना’ किस दिन की घटना की ओर संकेत करता है ?

10 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए - (3x2=6)

(i) मीरा श्याम की भक्ति और सानिध्य प्राप्त करने के लिए क्या करना चाहती हैं ?

(ii) ‘ऐकै आषिर पीव का पढ़ै सु पंडित होई’ - पंक्ति द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं ?

(iii) झरने किसके गौरव का गान कर रहे हैं ? बहते हुए झरनों की तुलना किससे की गई है ?

(iv) वर्षा ऋतु में इंद्र की जादूगरी के दो उदाहरण दीजिए |

11 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए - (2x3=6)

(i) 'हरिहर काका' पाठ के आधार पर बताइए कि धर्म के नाम से किस तरह आम जनता की भावनाओं से खेला जाता है ?

(ii) पी०टी० सर प्रीतम चंद की 'शाबाश' बच्चों को फ़ौज के तमगे के समान क्यों लगती थी ?

(iii) 'सपनों के-से दिन' पाठ में बच्चों को स्कूल जाना बिल्कुल भी पसंद नहीं था, क्यों? कारण सहित उत्तर स्पष्ट करते हुए बताइए कि स्कूल जाने के संबंध में आपका क्या अनुभव है ?

## खंड - 'घ'

12 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए - (1x5=5)

(क) बस्ते का बढ़ता बोझ

- पाठ्यक्रम में पुस्तकों की बढ़ती संख्या
- गृह कार्य व कक्षा का कार्य
- नियंत्रण आवश्यक
- बाज़ार द्वारा लूट का रूप, निष्कर्ष

(ख) सत्संगति का महत्व

-सत्संगति का अर्थ

-सत्संग व कुसंगत का प्रभाव

-विद्यार्थी जीवन में महत्त्व

-उपसंहार

(ग) देश पर पड़ता विदेशी प्रभाव

-हमारा देश और संस्कृति

-विदेशी प्रभाव

-परिणाम और सुझाव

-निष्कर्ष

13 (क) सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ते धूम्रपान तथा उससे होने वाली संभावित बीमारियों की ओर संकेत करते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को 80 से 100 शब्दों में पत्र लिखिए। (1x5=5)

**अथवा**

(ख) आपके मोहल्ले में कुछ बदनाम लड़कों द्वारा गुंडागर्दी की जा रही है। उसकी रोकथाम के लिए थानाध्यक्ष को गश्त बढ़ाने हेतु लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए |

14 (क) आप विद्यालय की छात्र कल्याण परिषद् के सचिव हैं। विद्यालय में होने वाली 'वाद-विवाद' प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक छात्रों के नाम आमंत्रित करने हेतु लगभग 80 शब्दों में सूचना लिखिए । (1x4=4)

**अथवा**

(ख) आप रोहित/रोहिणी पारिक छात्र संघ के अध्यक्ष हैं। आपके विद्यालय में 'आत्मरक्षा शिविर' का आयोजन होने जा रहा है। इसके संबंध में छात्रों को सूचित करते हुए लगभग 80 शब्दों में सूचना लिखिए।

15 (क) 'प्रकाश बल्व' बनाने वाली कंपनी के लिए लगभग 50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए | (1x3=3)

**अथवा**

(ख) विद्यालय की कलावीथि (चित्रकला कक्ष) में कुछ चित्र (पेंटिंग्स) बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। इसके लिए एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

16 (क) 'एकता में बल है' विषय को आधार बनाकर लगभग 100 शब्दों में एक लघु कथा लिखिए | (1x5=5)

**अथवा**

(ख) आप नैतिक/निष्ठा हैं। आपके क्षेत्र अशोक नगर में सफ़ाई व्यवस्था चरमराई हुई है। सफ़ाई कर्मचारी अक्सर अनुपस्थित रहते हैं। नगर निगम अधिकारी को इससे अवगत कराते हुए लगभग 100 शब्दों में ईमेल लिखिए ।